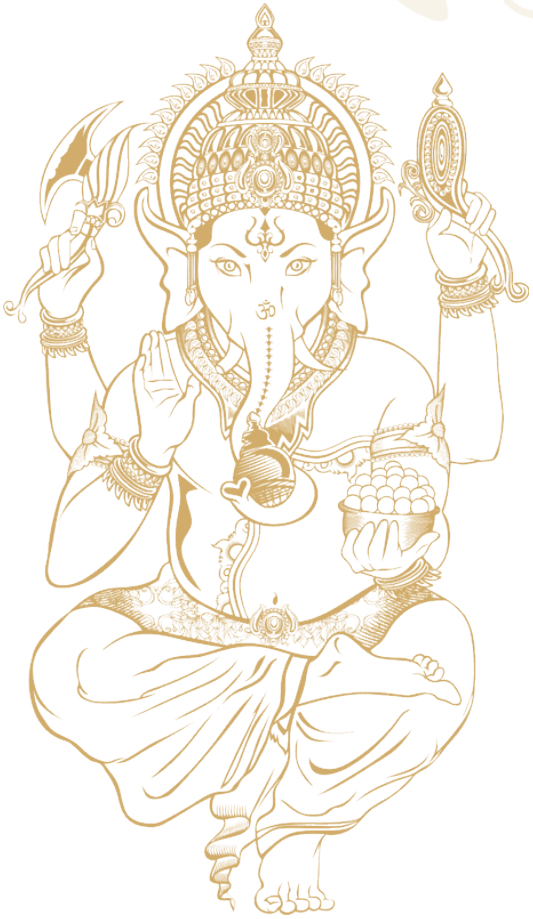

Sukriti Mishra

21 Aug 1998

07:05 AM

Gorakhpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121763205

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**21/08/1998**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**07:05:00 घंटे**
इष्ट	03:55:23 घटी
स्थान	**Gorakhpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:45:00 उत्तर
रेखांश	83:23:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:03:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	07:08:32 घंटे
वेलान्तर	-00:03:13 घंटे
साम्पातिक काल	05:05:15 घंटे
सूर्योदय	05:30:50 घंटे
सूर्यास्त	18:28:00 घंटे
दिनमान	12:57:09 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	03:58:47 सिंह
लग्न के अंश	23:56:10 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**आश्लेषा - 2**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	वरियान
करण	चतुष्पाद
गण	राक्षस
योनि	मार्जार
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	डू-डूंगरमल
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	23:56:10	321:41:17	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	शनि	---
सूर्य			सिंह	03:58:47	00:57:48	मघा	2	10	सूर्य	केतु	चंद्र	मूलत्रिकोण
चंद्र			कर्क	22:04:03	12:45:46	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	सूर्य	स्वराशि
मंगल			कर्क	06:20:02	00:38:41	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	बुध	नीच राशि
बुध	व	अ	कर्क	22:38:16	00:20:51	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	चंद्र	शत्रु राशि
गुरु	व		मीन	02:24:28	00:06:05	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	स्वराशि
शुक्र			कर्क	15:33:22	01:13:33	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	शत्रु राशि
शनि	व		मेष	09:46:05	00:00:33	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	शनि	नीच राशि
राहु	व		सिंह	07:37:12	00:00:09	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	07:37:12	00:00:09	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	16:14:10	00:02:15	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	---
नेप	व		मक	06:12:31	00:01:23	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	11:28:00	00:00:10	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	---
दशम भाव			वृष	23:34:05	--	मृगशिरा	--	5	शुक्र	मंगल	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:10

लग्न-चलित

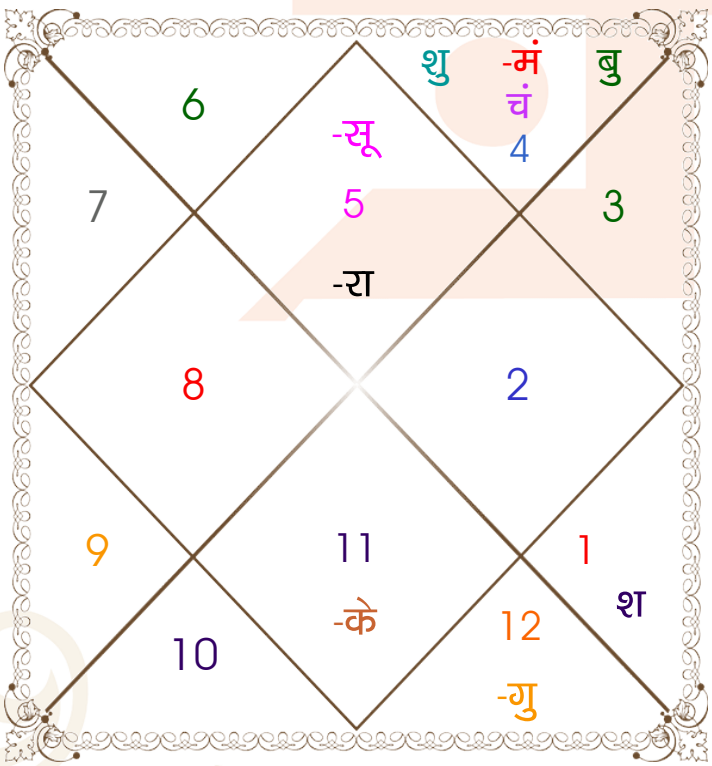

चन्द्र कुंडली

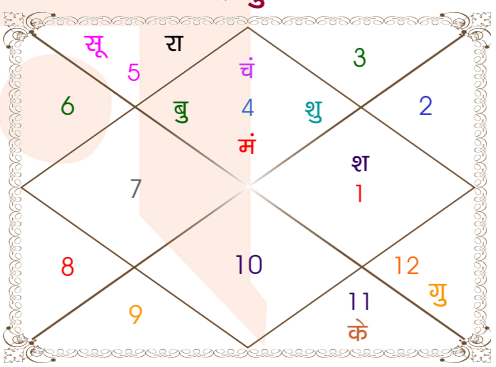

नवमांश कुंडली

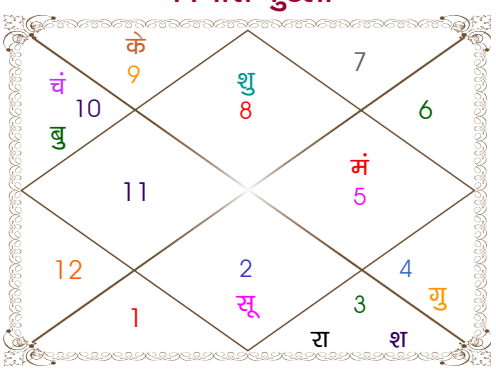

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 10 वर्ष 1 मास 11 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
21/08/1998		01/10/2008		02/10/2015		02/10/2035		01/10/2041	
01/10/2008		02/10/2015		02/10/2035		01/10/2041		02/10/2051	
	00/00/0000	केतु	27/02/2009	शुक्र	31/01/2019	सूर्य	19/01/2036	चंद्र	01/08/2042
	00/00/0000	शुक्र	29/04/2010	सूर्य	31/01/2020	चंद्र	20/07/2036	मंगल	03/03/2043
	21/08/1998	सूर्य	04/09/2010	चंद्र	01/10/2021	मंगल	25/11/2036	राहु	31/08/2044
सूर्य	01/11/1998	चंद्र	05/04/2011	मंगल	01/12/2022	राहु	19/10/2037	गुरु	31/12/2045
चंद्र	01/04/2000	मंगल	01/09/2011	राहु	01/12/2025	गुरु	08/08/2038	शनि	02/08/2047
मंगल	29/03/2001	राहु	19/09/2012	गुरु	01/08/2028	शनि	21/07/2039	बुध	31/12/2048
राहु	17/10/2003	गुरु	26/08/2013	शनि	02/10/2031	बुध	26/05/2040	केतु	01/08/2049
गुरु	22/01/2006	शनि	04/10/2014	बुध	01/08/2034	केतु	01/10/2040	शुक्र	02/04/2051
शनि	01/10/2008	बुध	02/10/2015	केतु	02/10/2035	शुक्र	01/10/2041	सूर्य	02/10/2051

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
02/10/2051		01/10/2058		01/10/2076		01/10/2092		03/10/2111	
01/10/2058		01/10/2076		01/10/2092		03/10/2111		00/00/0000	
मंगल	28/02/2052	राहु	14/06/2061	गुरु	19/11/2078	शनि	05/10/2095	बुध	28/02/2114
राहु	17/03/2053	गुरु	07/11/2063	शनि	01/06/2081	बुध	14/06/2098	केतु	25/02/2115
गुरु	21/02/2054	शनि	13/09/2066	बुध	07/09/2083	केतु	24/07/2099	शुक्र	26/12/2117
शनि	02/04/2055	बुध	01/04/2069	केतु	13/08/2084	शुक्र	23/09/2102	सूर्य	22/08/2118
बुध	29/03/2056	केतु	20/04/2070	शुक्र	14/04/2087	सूर्य	05/09/2103		00/00/0000
केतु	25/08/2056	शुक्र	20/04/2073	सूर्य	31/01/2088	चंद्र	06/04/2105		00/00/0000
शुक्र	25/10/2057	सूर्य	14/03/2074	चंद्र	01/06/2089	मंगल	15/05/2106		00/00/0000
सूर्य	02/03/2058	चंद्र	13/09/2075	मंगल	08/05/2090	राहु	21/03/2109		00/00/0000
चंद्र	01/10/2058	मंगल	01/10/2076	राहु	01/10/2092	गुरु	03/10/2111		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 10 वर्ष 1 मा 25 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में हुआ था। आपके जन्म काल सिंह लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश तथा मेष राशीय द्रेष्काण भी उदित था। सिंह लग्न के उपयुक्त संयोजन से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि यदि आप सतर्कता पूर्वक समुचित योजनानुसार कार्यारम्भ करे तो आप अपने जीवन में निश्चित रूप से सफल होंगे। लेकिन आपके लिए धन-उपार्जन के स्रोत अनिवार्य हैं। यदि आय के स्रोत में कोई व्यवधान उपस्थित हुआ तो यह संभव है कि आप की समस्याएं संघर्षपूर्ण होकर आपके जीवन पथ को समृद्धिशाली बनाने में समस्याओं के साथ मुठभेड़ करना पड़े।

वर्त्तमान काल वास्तविक संयोजन का स्वरूप ऐसा चित्रित हो रहा है कि आपके जीवन का स्वरूप उत्तम, अधम एवं अप्रिय प्रतीत होगा। वर्त्तमान काल जो ग्रह आपके धनोपार्जन हेतु प्रतिकूल है उनका उच्च प्रभावी होना आवश्यक है अन्यथा आपकी उच्च स्थिति एवं आनन्द प्राप्ति के मार्ग अवरूद्ध हो जाएंगे तथा आपको आवश्यकता की पूर्ति हेतु महत्वपूर्ण धनोपार्जन के लिए कोई समझौता करना पड़ेगा। आप किसी प्रशासनिक पद पर कार्यरत होने के लिए सक्षम है। किसी निगम एवं बड़ी कम्पनी के निदेशक पद पर कार्य हेतु योग्य है। समाज में आपका प्रभाव रहेगा आपको धन, प्रतिष्ठा एवं सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

सिंह लग्न सदैव ही उचित दिशा निर्देश करता है। सिंह लग्न प्रभावी पुरूष का जीवन छलकपट से युक्त, आडम्बर एवं असन्तोषयुक्त तथा आशा प्रत्याशा दिलानेवाला होता है। यह धन उपार्जन करने वाला उत्तम पारिवारिक जीवन से युक्त होता है। आप सदैव दो गुणों से पूर्ण अर्थात् उत्तम स्वास्थ्य से युक्त एवं आनन्दित रहेंगे। परन्तु अप्रत्यक्ष रूप से वृद्धावस्था में ऐसा अवसर आ सकता है कि आप आंशिक रूप से हृदय रोग अथवा मेरू दण्डीय समस्याओं से ग्रसित हों जाएं। क्योंकि आपके व्यस्ततम कार्यक्रम एवं उत्तेजनापूर्ण मनोदशा ही आपको रोगग्रस्त कर सकता है।

परन्तु वृश्चिक नवमांश बिन्दु भिन्न प्रकार से आपके जीवन की छवि को प्रस्तुत करता है कि आपके अंग में आंशिक दोष जन्मकाल से ही रोग के रूप में प्रभावी है।

अस्तु! आपको समुचित रूप से क्रमबद्धतापूर्वक अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहना चाहिए ताकि रोग के प्रभाव से मुक्त रह सकें। आपकी कुण्डली का नवमांश फल यह प्रदर्शित करता है कि आप अच्छा जीवन व्यतीत करेंगे। आपके लिए विशेष विचारणीय तथ्य यह है कि आपको स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रह कर समुचित रूप से ध्यान देना चाहिए। जितनी भी संभावना हो सतर्कतापूर्वक मन में शांति एवं निर्विध्न रूप से विश्राम ग्रहण कर भोजनादि पर नियंत्रण रक्खें तथा हानिकारण मद्यपान का परित्याग करें। अन्य वांछनीय तथ्य यह है कि आपको सावधानी पूर्वक अपना जीवन संचालन करना चाहिए। अस्तु आप स्वास्थ्य संबंधी किसी भी प्रकार की समस्याओं के प्रति उचित आहार विहार का सेवन करे।

आपको अनावश्यक रूप से किसी भी प्रकार की परेशानियों के प्रति सजग रहना

चाहिए। आपमें विभिन्न प्रकार के प्रभावशाली गुण विद्यमान हैं। यदि आप सुव्यवस्थित रूप में इन गुणों को व्यवहृत करें तो आप धनी हो सकते हैं। आपको राय दी जाती है कि आप अपने धन कोष का परीक्षण करें क्योंकि आप जनताओं के मध्य उपस्थित होकर बहुतायत में धन का व्यय करेंगे। यदि आप संप्रति इस प्रकार मुक्त हस्त से व्यय करते रहे तो बाद में पश्चात् करना पड़ सकता हैं क्योंकि आपका धन बर्बाद हो चुका होगा।

आपके पास प्यारी पत्नी, श्रद्धाप्रदायक पुत्र से युक्त पारिवारिक भवन होगा। आप पर्याप्त आर्थिक धनोपार्जित स्रोतों से युक्त अधिकारपूर्ण शान-शौकत से युक्त आरामदायक जीवन बिताने के साधन से सफल होंगे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक लाभदायक प्रमाणित होगा। परन्तु अंक 2, 7 और 8 अंक किसी भी परिस्थिति में आपके लिए अनुपयुक्त है।

आपकों नीला, काला एवं सफेद रंग का परित्याग कर, रंग, नारंगी, लाल और हरे रंग का वस्त्रादि धारण करना चाहिए। ये रंग आपके लिए लाभदायक है।